>

Title : Need to take measures to improve the literacy rate and health of adolescents in the country.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): "दुनिया के बच्चों की स्थिति" नाम से 25 फरवरी, 2011 में जारी यूनिसेफ की रिपोर्ट में दुनियाभर के किशोरों के सामाजिक, मानसिक, आर्थिक और शैक्षणिक हालात का जायजा लिया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार विश्व के प्रत्येक 10 में से 9 किशोर विकासशील देशों में रहते हैं। इस रिपोर्ट में स्वास्थ्य और शिक्षा के मामले में हमारे देश के किशोरों की हालत खराब बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश के कुल किशोरों में से 40 फीसदी समय से पहले स्कूल छोड़ देते हैं, जबकि 43 फीसदी की शादी 18 वर्ष से पहले हो जाती है। 13 फीसदी किशोरियां कम उम्र में मां बन जाती हैं। 56 फीसदी लड़कियां और 30 फीसदी लड़के एनीमिया के शिकार हैं।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह यूनिसेफ की रिपोर्ट में दिए गए तथ्यों का अध्ययन करवाकर देश के किशोरों की स्थिति में आवश्यक सुधार किए जाने हेतु कदम उठायें।